>

Title: Regarding incidents of stone pelting on trains.

प्रो. चिंतामणि मालवीय (उज्जैन) : अध्यक्ष महोदया, धन्यवाद। मैं देश की एक महत्वपूर्ण समस्या की ओर सदन का ध्यान और सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। …(व्यवधान) भारतीय रेल अब विश्व की नंबर-एक रेल बनने जा रही है। …(व्यवधान) विश्व स्तर की रेल सुविधाएं अब भारत में मिलने लगी हैं। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, वहीं एक ओर रेलों में लूटपाट की घटनाएं बहुत बढ़ी हैं। …(व्यवधान) न केवल बाहरी क्षेत्रों में बल्कि राजधानी के आसपास भी रेलों पर पत्थर फेंकने और लूटपाट की घटनाएं हुई हैं। …(व्यवधान) कई महत्वूर्ण ट्रेन, जैसे हमसफर एक्सप्रेस, फिरोज़पुर शताब्दी, रांची राजधानी आदि एक्सप्रेस ट्रेनों में भी लूटपाट की घटनाएं हुई हैं। …(व्यवधान) ट्रेन 18 सब से आधुनिक ट्रेन है। …(व्यवधान) उस पर भी पत्थरबाज़ी हुई और उसके कांच तोड़ दिए गए। …(व्यवधान)

महोदया, मैं यह कहना चाहता हूं कि जो रेल डेवलपमेंट अथॉरिटी है, यह अथॉरिटी अपना काम करे और रेलवे स्टेशनों के आसपास जो अवैध बस्तियां हैं, उनको हटाने का काम करे। …(व्यवधान) आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, डॉ. संजय जायसवाल एवं श्री शिवकुमार उदासि को प्रो. चिंतामणि मालवीय द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

…(<u>व्यवधान</u>)

HON. SPEAKER: Please go to your seats. I have said that if you want, I will allow you to raise the matter.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I will allow you to raise the matter. Please go to your seats. I am not saying that I will not allow you. This is not fair.

… (*Interruptions*)

12 12 hrs

At this stage, Prof. Saugata Roy and some other hon. Members

went back to their seats.

HON. SPEAKER: I am saying that I will allow you to raise the matter. I am not saying, 'no' and the Government is also not saying 'no'. I do not understand why you are protesting every now and then.

… (*Interruptions*)

12 12 ½ hrs